राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में मानव संसाधन मंत्रालय के निर्देशानुसार मातृभाषा दिवस का आयोजन २०-०२-२०२० को किया गया। इसके अंतर्गत संगोष्ठी कक्ष में "भोर" नामक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ सविता भारद्वाज ने महाविद्यालय के सावित्रीबाई फुले सभागार के सम्मुख एक लोक साहित्य से जुड़ी पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जिसमें हिंदी , उर्दू और भोजपुरी से संबंधित विविध पुस्तकों, पत्रिकाओं, रिपोर्टों को छात्राओं एवं शोधार्थियों के अवलोकन के लिए रखा गया। इसमें असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी निरंजन कुमार यादव, उर्दू विभाग के प्रभारी इकलाख खान एवं पुस्तकालय प्रभारी मणिद्र कुमार यादव ने विशेष सहयोग दिया।

इस अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया । इसमें मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शशिकला जायसवाल ने मातृभाषा मनाए जाने के कारण ,औचित्य और उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आपके अनुसार मातृभाषा वह भाषा है जिसमें हम सोचते हैं तथा स्वयं को सहज महसूस करते हैं, जिस भाषा में सपने देखते है। वह उस बच्चे की मातृभाषा कहलाती है, क्योंकि वह मां से ही हमें विरासत में मिलती है । आज आवश्यकता है भाषाई धरोहर को संजोने और उसे निरंतर समृद्ध बनाने की । हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ संगीता मौर्य ने मातृभाषा पर अपनी एक सुंदर कविता का पाठ किया तथा डॉ निरंजन कुमार यादव ने मातृभाषा का लोक एवं संस्कृति से जुड़ाव पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रज्ञा रेंजर दल की ओर से एक लघु नाटिका 'हम किन्नर हई' का मंचन भी किया। जिसमें प्रमुख रुप से स्वाति वर्मा, दिव्यांशी श्रीवास्तव, शिवानी गुप्ता करिश्मा सिंह आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों की तालियां बटोरी । मातृभाषा को लोक संगीत से जोड़ते हुए संगीत विभाग की छात्राओं श्वेता, शादमानी, श्रृष्टि आदि ने भोजपुरी लोक नृत्य 'सैया मिले लड़कयां' एवं अन्य प्रस्तुतियां देकर सभी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्य प्रोफेसर डॉ सविता भारद्वाज ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नत के मूल' को व्याख्या करते हुए लोक भाषा को निरंतर समृद्ध करने और उसको परिमार्जित करने की अपील की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ संतन कुमार राम एवं छायांकन मीडिया प्रभारी डॉ शिव कुमार ने किया। इस अवसर पर, डॉ दीप्ति सिंह, डॉ कौशल श्रीवास्तव, डॉ हरेंद्र यादव, डॉ शैलेंद्र यादव, डॉ अमित यादव, डॉ पूजा सिंह, डॉ सत्येंद्र सिंह, डॉ शम्भू शरण प्रसाद, डॉ बी एन पांडे एवं महाविद्यालय की छात्राएं भारी संख्या में उपस्थित रहे।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत"
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
NAAC द्वारा B++ ग्रेड से प्रत्यायित
उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश